RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज़

वर्ष : 2 अंक : 9 | लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियों,

प्रौद्योगिकी किसी भी क्षेत्र की हो, वह अपनी निरंतर प्रगति के साथ हमसब को बार-बार चौंकाती है। फोटोग्राफी और इस विधा के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी नई-नई तकनीक के साथ भी ऐसा ही है। समय के साथ फोटोग्राफी और उससे जुड़ी तकनीक में भी चमत्कारिक रूप से बदलाव और सुधार आया है। वर्तमान में फोटोग्राफी विधा का निरंतर विकास हो रहा है। फोटोग्राफी के क्षेत्र में नित नए आयाम जुड़ रहे हैं। तकनीकी रूप से इसमें लगातार सुधार हो रहा है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। आज के समय में जरूरी हो गया कि इक्विपमेंट्स के साथ हम भी अपने तकनीकी ज्ञान को बेहतर करें तभी हम किसी भी इक्विपमेंट का सही और बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। कैमरा अगर तकनीकी रूप से एडवांस होगा तो उसका मूल्य भी अधिक होगा। लेकिन अगर हम एडवांस तकनीक को सही ढंग से नहीं समझेंगे तो हम उस मूल्यवान कैमरे का न तो सदुपयोग कर पाएंगे न ही उस कैमरे से अपने मनमाफिक तस्वीर खींच पाएंगे।

इस माह होली है। होली रंगो का त्यौहार है। फोटोग्राफर साथियों के लिए, फोटोग्राफी करने के लिए यह उपयुक्त समय है। त्योहारों के समय आपको फोटोग्राफी के लिए बहुत सारे नए-नए सब्जेक्ट मिलते हैं जिससे आप अपनी फोटोग्राफी को नया आयाम देते हैं। चूँकि होली रंगों का त्योहार है और तस्वीर में रंगों का महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन रंगों को कैसे प्रस्तुत करते हैं। फोटोग्राफी में जब तक आप नए-नए एक्सपेरिमेंट नहीं करेंगे तब तक आप के चित्रों में नयापन नहीं आएगा। किसी भी फोटोग्राफर के लिए यह अति आवश्यक है कि उसके चित्रों में हर समय कुछ नयापन दिखना चाहिए।

आज के समय में फोटोग्राफर साथियों के लिए सबसे मुश्किल कार्य है अपने कैमरे का चुनाव करना। आज के समय में बहुत सारी कंपनियों ने मिररलेस कैमरों की एक पूरी खेप मार्केट में उतार दी है। इसलिए फोटोग्राफर साथी कन्फ्यूजन की स्थिति में है। हमारी नजर में इसका सबसे अच्छा उपाय यही है कि आप हर कंपनी के कैमरे को खुद टेस्ट कीजिए तथा कैमरों के अच्छाई या बुराई के संबंध में कंपनी के टेक्निकल एक्सपर्ट से बात कीजिए। क्योंकि कैमरा खरीदने के बाद उस कैमरे से रिजल्ट लेना आपका काम है कोई कैमरा कितना भी अच्छा क्यों न हो अगर आप उस कैमरे के साथ कंफर्टेबल नहीं है तो वह आपके लिए बेकार है। केवल किताबी ज्ञान से फोटोग्राफी नहीं की जा सकती।

फोटोग्राफी में इक्विपमेंट महंगे होने के कारण यह आपको देखना है कि उस कंपनी का टेक्निकल बैकहैंड आपको कितना मिलता है। क्योंकि आज के समय में बिना टेक्निकल बैकहैंड मिले आप उसके बारे में पूर्ण जानकारी नहीं प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए कैमरे के मूल्य का सही उपयोग हो, यह भी आपको देखना है।

तकनीकी दौर की एक खासियत और है कि इसने लोगों को आपस में जोड़ दिया है। नई तकनीक को एक व्यक्ति पूर्ण रूप से सीख सके यह संभव नहीं है। जबतक आपस में लोग बैठ कर बातें नहीं करेंगे, एक दूसरे से अनुभव साझा नहीं करेंगे तबतक हम तकनीक को अच्छी तरह समझ नहीं सकेंगे। जो फोटोग्राफर साथी वेडिंग फोटोग्राफी इंडस्ट्री में है उनके लिए तो अति महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह एकजुट होकर कार्य करें। आप पूरा वैवाहिक कार्यक्रम अकेले कवर नहीं कर सकते। अतः जरूरी है कि हम एक-दूसरे से तालमेल बिठाते हुए टीमवर्क की भावना से कार्य करें और अपने साथियों को साथ लेकर तरक्की के रास्ते पर अग्रसर हों।

स्टूडियो न्यूज़ आने वाले समय में फोटोग्राफी तथा फोटोग्राफर साथियों से संबंधित समाचार को सभी फोटोग्राफर साथियों तक पहुंचाने के लिए एक न्यूज़ चैनल लाने की तैयारी कर रहा है।

अगले माह से इसी संबंध में सभी जिलों का दौरा प्रस्तावित है। जो साथी हमारा सहयोग करना चाहे उनका स्वागत है। बाकी अगले अंक में। तबतक अपने करियर के कैनवास पर इन्द्रधनुषी रंग भरिये। सभी साथियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

ऑटोमॉस निन्जा V, इन्फर्नो रिकॉर्डर्स 4के 10-बिट 422 एचडीआर को सपोर्ट करेंगे पैनॉसॉनिक ल्यूमिक्स एस1 के साथ

ऑटोमॉस ने एलान किया है कि उसके दो मशहूर मॉनिटर/रिकॉर्डर 10-बिट 422 एचडीआर रिकॉर्डिंग पैनासॉनिक ल्यूमिक्स एस1 फुल फ्रेम कैमरा के साथ सपोर्ट करेंगे। ऑटोमॉस का कहना है कि निन्जा V या इन्फर्नो से एचडीएमआइ द्वारा रिकॉर्ड करने से सीधा रिकॉर्ड करने की अनुमति देगा एप्पल प्रोरेसया एविड डीएनएक्स कोडेक्स से एचएलजी एडीआर फॉर्मेट में 4के30 तक।

एचडीएमआइ में जो मेटाडाटा ट्रांसफर होगा उसका प्रयोग कर के ऑटोमॉस रिकॉर्डर सही एचएलजी सिग्नल डिस्प्ले कर सकते हैं। एचएलजी सिग्नल कम समय में देता है सटीक एचडीआर इमेज मॉनिटरिंग के लिए।

लीका ने सीमित एडिशन के तीन क्लासिक एम लेंस लॉन्च किए

लीका एपीओ के लिमिटेड एडिशन वर्जन-समीक्रॉन-एम 50 एमएम एफ2 एएसपीएच, समैरॉन-एम 28 एमएमएफ 5.6 और समीलुक्स-एम 28 एफ 1.4 एएसपीएच लेंस की घोषणा लीका एम रेंजफाइंडर सीरीज के लिए हो गई है। इसमें है फिनिशिंग, रेड मार्किंग और अन्य कई सामग्री जो कि उन्हें सामान्य प्रोडक्शन वर्जन से अलग बनाते हैं।

डॉटाकलर ने लॉन्च किया स्पाइडर एक्स, अब तक का सबसे तेज और सटीक कलर कैलिब्रेशन टूल

कलर मैनेजमेंट सॉल्यूशन कंपनी डाटाकलर ने स्पाइडर एक्स का एलान किया, अब तक का सबसे तेज और सटीक कलर कैलिब्रेशन टूल।

नए टूल को पहले से रीडिजाइन किया गया है। डाटाकलर के मुताबिक, इसमे नया कलर इंजन है जो कम रोशनी में भी पहले से ज्यादा रंग को सटीक रूप से उभारता है।

लीका ने सिनेमैटोग्राफर्स के लिए स्टिल कैमरा एम10-पी एएससी 100 एडिशन रिलीज किया

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिनेमैटोग्राफर्स की 100वीं सालगिरह मनाने के लिए लीका ने एम10-पी डिजिटल रेंजफाइंडर के अपने सीमीत एडिशन को रिलीज किया। फरवरी 2019 में, एएससी 33वीं बार अपने अवॉर्ड देगा। लीका के मुताबिक, फिल्ममेकर्स के लिए एम10- पी एएससी 100 एडिशन को पेश करने का यह एक बेहतरीन अवसर है।

जब ऑस्कर बारनैक ने 35एमएम मोशन पिक्चर फिल्म स्ट्रिप स्टिल कैमरा में इस्तेमाल करने के लिए ली थी, तब से सिनेमैटोग्राफी की दुनिया से लीका का रिश्ता है। सिनेमा कैमरा की एक्सपोजर सेटिंग स्टिल कैमरा से जांचने के लिए उन्होंने भी असली लीका कैमरे का उपयोग किया था।

ग्लिफ लाया नया एटम एनवीएमई एसएसडी और थंडरबोल्ट 3 डॉक डुअल 4के डिस्प्ले सपोर्ट के साथ

ग्लिफ प्रोडक्शन तकनीक लाया है थंडरबोल्ट 3 डॉक और एटम एनवीएमई एसएसडी प्रोडक्ट्स। ग्राफिक प्रोफेशनल्स अब मैकबुक प्रो या अन्य कंम्प्यूटर में थंडरबोल्ट 3के सपोर्ट पोर्ट्स की संख्या और स्टोरेज बढा सकते हैं।

ग्लिफ थंडरबोल्ट 3 डॉक लैपटॉप यूएसबी-सी थंडरबोल्ट 3 पोर्ट से लैपटॉप में जुड़ जाता है। इससे उपयोगकर्ता एक ही समय में एक ही केबल से डिवाइस चार्ज करने के साथ-साथ डाटा भी ट्रांसफर कर सकता है। डॉक में है एसडी यूएचएस-II स्लॉट, यूएसबी 3.0 पोर्ट का जोड़ा साथ ही एक यूएसबी-सी 3.1 जेन2 पोर्ट।

ओलंपस एम ज्यूको डिजिटल ईडी 12-200एमएम एफ3.5-6.3

ओलंपस ने अपने माइक्रो फोर थंड्र्स कैमरे- एम ज्यूको डिजिटल ईडी 12-200एमएम एफ3.5-6.3 के लिए सुपर टेलीफोटो जूम निकाला है।

कैनन छह नए आरएफ लेंस बना रहा है, इसमें अल्टा कंपैक्ट 70-200 एफ 2.8 भी शामिल है

कैनन ने छह नए आरएफ लेंस बनाने के बारे में बताया है जो कि 2019 में ही आएंगे। इनमें से सबसे ज्यादा बेहतरीन आरएफ 70-200 एफ 2.8एल आइएस यूएसएम है। काफी छोटा लेंस होने के बावजूद यह कैनन इएफ मॉडल के जैसा ही तेज है। इसकी जानकारी नहीं है कि शेक में कमी कितनी होगी, कैनन ने अभी अपने आने वाले लेंस की जानकारी नहीं दी है।

कानपुर शहर में फूजीफ़िल्म द्वारा मिररलेस कैमरे का डेमो एवं वर्कशाप

दिनांक 20 फरवरी 2019 को कानपुर में फूजीफ़िल्म द्वारा शहर के कुछ चुनिंदा 20 फोटोग्राफरों को अपने नए कैमरे XT-3 का डेमो किया गया। इस कार्यक्रम में फोटोग्राफर्स को इस कैमरे की जानकारी देने के साथ साथ फोटोग्राफी में आ रही नई टेक्नोलॉजी की जानकारी भी दी गई और मिररलेस कैमरा टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन कानपुर फोटोग्रफिक एसोसिएशन द्वारा फूजीफिल्म के सहयोग से अपने मेंबर्स के लिए किया गया था। इस कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारियों ने सभी एसोसिएशन के सदस्यों को विश्वास दिलाया कि कंपनी द्वारा आगे भी एसोसिएशन के मार्गदर्शन में ही कार्यक्रम किये जाएंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक सौरभ मिश्र ने कंपनी द्वारा फोटोग्राफर हित मे हुए इस कार्यक्रम में किये गए कार्य के लिए कंपनी की प्रशंसा की इस कार्यक्रम में विष्णु नारायण दीक्षित, संदीप निगम, संजीव सिन्हा, गोपाल दीक्षित, आलोक त्रिपाठी, गुड्डू यादव, आलोक अग्निहोत्री, राजे भाटिया ने प्रमुखता से हिस्सेदारी लिया।

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 2 अंक : 9 | लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

ट्रैवल फोटोग्राफी - पेज 5

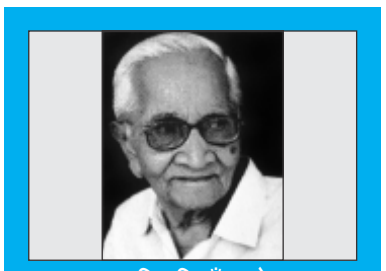

महान विभूतियाँ - पेज 7

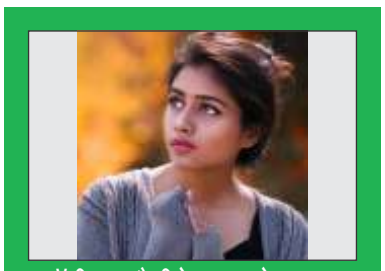

मॉनीटर कैलीब्रेशन - पेज 8-9

सीनकटर - पेज 10

कुंभ के रंग - पेज 12-15

नया एक्शन कैमरा : गो प्रो हीरो 7 ब्लैक

गो प्रो का हीरो 7 ब्लैक, जिसका मुख्य आकर्षण है हाइपर स्मूथ स्टैबलाइजेशन फीचर। गोप्रो के मुताबिक, गिंबल स्तर का स्टैबलाइजेशन अन्य किसी सामान के बिना प्रदान करना है।

ब्लैक मॉडल लाइव वीडियो और वर्टिकल वीडियो व फोटो जैसे कई नए फीचर्स देता है। और यह बात इसे नाती है अब तक सबसे ज्यादा फीचर्स वाला गो प्रो।

गो प्रो हीरो 7 ब्लैक डिजाइन व फीचर्स

हीरो ब्लैक 7 का डिजाइन व बनने की गुणवत्ता पहले के गो प्रो मॉडल्स जैसी ही है। लेकिन इस बार इसके नाम के साथ ब्लैक चेसिस भी है। कैमरे का वजन लगभग 116 ग्राम होगा व इसमें रबड़ की एक परत है जो कि इसे आगे व पीछे के अधिकतर हिस्से को ढकती है। यह वॉटरप्रूफ तो है ही साथ ही इसे 10 मीटर गहराई तक ले जाया जा सकता है।

ये नया मॉडल वर्तमान के गो प्रो एसेसरीज जैसे करमा ग्रिप, करमा ड्रोन इत्यादि के साथ कंपैटेबल है। इसमें एक सिंगल शटर बटन सबसे ऊपर और एक मोड/पावर बटन कैमरे के दाईं ओर है। दोनों बटन पर क्लिक रिस्पान्स अच्छा है, और इसे दबाने में भी बहुत जोर नहीं लगता है। हीरो 7 के दाईं ओर रबड़ लाइन फ्लैप है जो यूएसबी टाइप-सी और माइक्रो-एचडीएमआइ पोर्ट को बचाता है। नीचे यानी बॉटम में रिमूवेबल बैट्री व माइक्रो एसडी कार्ड को सुरक्षित रखता है। बता दें कि रिमूवेबल बैट्री व माइक्रो एसडी कार्ड को अलग से खरीदना पड़ता है।

इसके अन्य मॉडल्स की तरह हीरो 7 ब्लैक में भी शॉट को फ्रेम करने व सेटिंग बदलने के लिए पीछे की ओर दो इंच का टचस्क्रीन है। बैट्री, माइक्रो एसडी कार्ड का स्पेस, शूटिंग मोड इत्यादि जांचने वाला मोनोक्रोम डिस्प्ले फ्रंट पर है। इसमें आपको मिलेंगे तीन एलईडी ताकि आसानी से पता चल सके कि कब रिकॉर्डिंग हो रही है। इसके तीन माइक्रोफोन स्टीरियो ऑडियो और हवा का शोर हटाने के लिए है।

सबसे खास बात हीरो 7 ब्लैक की ये है कि यह गोप्रो के जीपी1 चिप का है। साथ ही इसमें 12 मेगापिक्सल, वाइड एंगल सेंसर भी है। बिल्ट इन जीपीएस, ब्लूटूथ और डुअल बैंड वाईफाई 802.11 b/g/n है। H.265 या एचईवीसी वीडियो कोडेक को सपोर्ट करता है और 4के में शूट करने के दौरान अधिकतम वीडियो बाइट्रेट 78एमबी/सेकेंड होता है। हीरो 7 ब्लैक 60एफपीएस और 1080पी 240एफपीएस पर 4के में शूट करता है अन्य रिज्यॉल्यूशन (2.7K, 1440p, 960p, 720p) और बीच में फ्रेमरेट के साथ। उन प्रोफेशनल यूजर्स के लिए जो एक्सपोजर मैनुअली सेट करना चाहें उनके लिए कैमरा प्रोट्यून ऑप्शन भी सपोर्ट करता है।

गोप्रो हीरो 7 ब्लैक का प्रदर्शन और बैट्री क्षमता

हीरो 7 ब्लैक का एक ये नया फीचर है कि ये अलग है। पहला वाला हाइपर स्मूथ स्टैबलाइजेश आसानी से पॉप्यूलर हो गया। इसने बहुत ही शानदार काम किया और 60एफपीएस के सारे रिज्यॉल्यूशन में उपलब्ध भी था। यह फ्रेम को जरा सा क्रॉप भी कर देता है पर चूंकि हीरो 7 ब्लैक का विस्तृत व्यू है तो क्रॉप फ्रेम उतना पता नहीं चलता। दौड़ते के दौरान, स्टैबलाइजेशन उन हल्के निशानों को बहुत ही आसानी और सफाई से गायब कर देता है और ऐसा लगता है कि कैमरा गिंबल पर था। कैमरा स्टैंडर्ड स्टैबलाइजेशन पर डिफॉल्ट में तब आ जाता है जब आप 60एफपीएस के ऊपर चला जाता है।

अच्छी रोशनी में इमेज की गुणवत्ता बहुत अच्छी आती है, सुंदर रंग और फोटो आकर्षक लगती है। कम रोशनी में इमेज और वीडियो पिछले गोप्रो की तरह कुछ खास नहीं भाते थे। एक और अच्छा वीडियो है टाइमरैप। इससे आप स्टैबलाइज हैंडहेल्ड टाइमलैप्स फुटेज शूट कर सकते हैं ताकि हैपरलैप्स के जैसे ही आप अपने टाइमलैप्स वीडियो में भी मोशन डाल सकें। नतीजे बहुत अच्छे हैं और स्टैबलाइजेशन बहुत अच्छी तरह से हैंडल किया गया है। आप 1080पी या 4के रिज्यॉल्यूशन में चुन सकते हैं और 2× से 30× टाइमलैप्स की स्पीड देख सकते हैं।

हीरो 7 ब्लैक से अब आप सीधी वीडियो और फोटोज़ खींच सकते हैं पहली बार। और उन्हें सीधा इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर गो प्रो एप के माध्यम से शेयर सकते हैं। व्यूफाइंडर व फ्रंट मोनोक्रोम डिस्प्ले अपने आप ओरिएंटेशन बदल देता है ताकि आप वर्टिकल फुटेज ही शूट करें। सोशल मीडिया पर इस वीडियो फॉर्मेट की पॉप्यूलैरिटी को ध्यान में रखते हुए यह एक अच्छी चीज गो प्रो ने जोड़ी है।

लाइव स्ट्रीमिंग एक और नया फीचर है। यह गोप्रो एप के माध्यम से काम करता है और फेसबुक लाइव और आरटीएमपी को सपोर्ट भी करता है। जल्दी सेटअप प्रक्रिया को पूरा करने के लिए इन दोनों की ही जरूरत पड़ती है।

फेसबुक के मामले में, आपको अपने फेसबुक अकाउंट से साइन इन करना होगा, वीडियो की डीटेल डालनी होगी और रिज्यॉल्यूशन चुनना होगा (720पी तक)। वहीं आरटीएमपी के लिए आपको अपना सर्वर का यूआरएल डालना जरूरी है। हमने फेसबुक लाइव टेस्ट किया और चूंकि यह सबसे आसान था यह काम कर गया। स्टीरियो माइक्रोफोन की मदद से कैमरा सरल ऑडियो भी कैप्चर कर लेता है। आपके पास विकल्प रहता है या तो आप अपना वाई-फाई नेटवर्क चुनिए या फिर एलटीई, यदि आप बाहर हैं।

गोप्रो एप के माध्यम से हीरो 7 ब्लैक के सॉफ्टवेयर खुद ही अपडेट हो जाते हैं। कैमरा क्विक स्टोरी भी सपोर्ट करता है। यह नई खींची गई तस्वीर व छोटी वीडियो क्लिप सीधे पेयर किए हुए फोन पर कनेक्ट करता है और आपके लिए एक छोटी फिल्म बनाता है। यदि आपका जीपीएस चालू है तो आप कुछ मजेदार जीपीएस स्टिकर भी अपने वीडियो में जोड़ सकते हैं।

यदि आप लगातार शूटिंग कर रहे हैं लंबे समय से तो हीरो 7 ब्लैक काफी गर्म हो सकता है। यदि हम एसी में भी शूटिंग कर रहे हैं तो भी हमने पाया कि करीब 20 मिनट की रिकॉर्डिंग के बाद ही कैमरा गर्म होना शुरू हो जाता है। हालांकि इसकी वजह से कैमरा बंद नहीं हुआ।

बैट्री लाइफ इसकी अच्छी है। वाई-फाई और जीपीएस चालू रहने के बाद 4के रिकॉर्डिंग के लिए हमें लगभग 45 मिनट मिल जाते हैं।

वहीं यदि वाई-फाई और जीपीएस बंद है तो एक घंटे के ऊपर तक बैट्री चलती है। रिमूवेबल बैट्री होने की एक अच्छी बात यह भी है कि आराम से खाली बैट्री को निकाल कर फुल चार्ज बैट्री लगाई जा सकती है। हीरो 7 ब्लैक को पावर बैंक या अन्य यूएसबी पावर सोर्स से भी लगातार चला सकते हैं।

SAMYANG

2 YEAR WARRANTY

SPRING COLLECTION

A New Perspective

8 NEW LENSES LAUNCHING THIS SEASON

MADE IN S.KOREA

XEEN™
Pro Cinematic Lenses

(Available for Canon EF, Nikon F,MFT,Sony E & PL)

SAMYANGMF
Cinematic Lenses

(Available for CANON EF, NIKON F, SONY E & FUJI X)

SAMYANGXP
Expressions

10mm/3.5 14mm/2.4 35mm/1.2 50mm/1.2 85mm/1.2

(Available for CANON EF & NIKON F*)

SAMYANGMF
Photo Lenses

8mm 10mm 14mm 16mm 24mm 35mm 50mm 85mm

(Available for CANON EF, NIKON F, SONY E & FUJI X)

SAMYANGAF
Auto Focus Lenses

35mm/1.4 SONY E | 14mm/2.8 SONY E | 14mm/2.8 NIKON F | 14mm/2.8 CANON EF | 24mm/2.8 SONY E | 35mm/2.8 SONY E | 85mm/1.4 CANON EF | 50mm/1.4 SONY E

INNOVATIVE TECH DISTRIBUTION PVT LTD **Importing , Marketing and Distributing for North India**

204 ,2nd Floor, 5/54Victoria Cross, Saraswati Marg, W.E.A, Karol Bagh, New Delhi - 110005, Phone - 011-25752398, 43082205, 9654354398 | Email - intechdelhi@gmail.com

Dealer List - Uttar Pradesh-Lucknow Tanya Photo Stores-9839015551, **Noida** Joshi Sons-9899500500
Meerut Goyal Photo-9837212939, **Kanpur** Ankita Photo Deals-9580492059, Vicky Photo -9415043448,**Allahbad** Gupta Digital Zone-9451254073, **Varanasi** Photo Centre-9695122518
Delhi Golu photos-9811062088,GP PRO-9999331181,Future Forward-9999976594,MadanJee & Co-9810026678.Varun Photo Sttore-9715520566,H.G & Co.-9811032641, Amritsar Photostore-9811070267,Digital Zone-9711142878,Digital World-9313372922,Hasija Photostore-9811160710,Lucky Photo Store-011-23271812,Omax Photographics-011-45684118, Kundan Bros-01123282035,Alfa Digital-01123320731,Videon-9811259999,Photo Media-9811016551,Dass Studio-9810019770, **Chandigarh** Sera Stores - 9417512400, Capital Photo store-9417594794
Jaipur Paree Digital-9314001769, **Punjab** Gupta Studio Pvt. Ltd-9814131316, 0161-2721952. **Dehradun** Cinema Art Studio - 9837243388, Goyal Photo Co. - 9358038000.

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

असल में फोटोग्राफी का कैमरा से कोई लेना देना नहीं है। - लुकस जेंट्री

क्या होती है ट्रैवल फोटोग्राफी? कैसा होता है ट्रैवल फोटोग्राफर बनना?

ट्रैवल फोटोग्राफी क्या है और इसमें फोटोग्राफर को क्या और कैसे यादगार बनाना है, इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

हर फोटोग्राफर उस दिन का ख्वाब देखता है जब वो केवल अपना कैमरा और बाइक उठाकर दुनिया को अपनी नज़र और अपने लेंस से देखने निकल सके। सुनने में कुछ रोमांटिक सा है लेकिन हम में से कितने लोग ये जानते हैं कि ट्रैवल फोटोग्राफी बेहद कठिन भी हो सकती है। इस आर्टिकल में हम इसी पहलू पर बात करेंगे।

ट्रैवल फोटोग्राफी वह विधा है जिसमें क्षेत्र का लैंडस्केप, स्थायी लोग, वहाँ के रीति-रिवाज, संस्कार और इतिहास मिले होते हैं।

कई बार लैंडस्केप फोटोग्राफी को ट्रैवल फोटोग्राफी समझ लिया जाता है लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं। हालांकि ट्रैवल फोटोग्राफी का एक महत्वपूर्ण बिंदु है लैंडस्केप लेकिन केवल लैंडस्केप को ही ट्रैवल फोटोग्राफी का नाम नहीं दिया जा सकता।

मैंने महिंद्रा होमस्टेज में बतौर ट्रैवल छायाकार काम किया है। इस दौरान मैं भारत के कई दूरदराज क्षेत्रों में गया जो कि पर्यटक या घुमक्कड़ों के नक्शे पर दूर-दूर तक नहीं हैं।

लद्दाख के बहुत अंदर जाने के लिए मैंने 13 हजार फीट ट्रैकिंग की, और यकीन मानिए एक से एक उम्दा तस्वीरें हैं मेरे पास संजोने के लिए।

ट्रैवल फोटोग्राफी के दो भाग होते हैं। एक तो स्टैंडअलोन फोटो। स्टैंडअलोन का मतलब है कि आपको घूमते हुए एक खूबसूरत लैंडस्केप या पोर्ट्रेट दिखता है और आप फोटो ले लेते हैं। यह फोटो बड़े आराम से स्टॉक फोटोग्राफ के तौर पर ट्रैवल मैगजीन को आप बेच सकते हैं। शटरस्कॉट व गेटी इमेजेज़ जैसी स्टॉक पिक्चर एजेंसी के माध्यम से यह तस्वीरें ट्रैवल मैगजीनों को बेची जा सकती हैं।

लेकिन पूरा ट्रैवल असाइनमेंट बनाने के लिए आपको एक से ज्यादा इमेज की जरूरत होगी। कम से कम 5 से 7 मजबूत फोटोज़ तो चाहिए ही होंगी। पहली इमेज होगी मास्टर इमेज और अन्य सपोर्टिंग इमेज होनी चाहिए जो कि एक खूबसूरत कहानी गढ़ सकें।

मैंने नीचे वालपराई पर ट्रैवल स्टोरी का एक उदाहरण दिया है। मैंने लैंडस्केप, वाइल्डलाइफ, मैक्रो और चिड़ियों को कैप्चर किया है ताकि वालपराई के प्राकृतिक सौंदर्य को पूरी तरह से अपने कैमरे में निचोड़ लूं।

यदि आपमें लिखने का हुनर है तो इससे अच्छा कुछ भी नहीं। इससे आप स्टोरी के साथ अपनी तस्वीरों को ट्रैवल मैगजीन को बेच सकते हैं। लोकल खाने के बारे में तस्वीरें व लेख हो तो और भी अच्छा है, इससे आपकी स्टोरी और बढ़िया हो सकती है।

नवोदित फोटोग्राफर्स को मैं एक सलाह देना चाहूंगा। गरीबी को दिखाती फोटोज़ क्लिक न करें। पश्चिम में इसे पॉवर्टी टूरिज्म कहा गया है और इसे पूरी तरह से बचने की कोशिश कर केवल और केवल सकारात्मक नजरिया ही अपनाएं और आप पाएंगे कि आप बेहतरी की तरफ आगे बढ़ रहे हैं।

ट्रैवल फोटोग्राफी में अहम पहलू हैं आपके उपकरण। मेरा मानना है कि जितना सिंपल और हल्का हो उतना अच्छा है। किट लेंस के साथ दो मिररलेस बॉडी और 75-300 जूम व रेनॉक्स डीसीआर 150 जैसा एक एक्स्ट्रा मैक्रो कन्वरजेशन लेंस पर्याप्त होगा। मैनफ्रोट्टोबीफ्री जैसा एक हल्के वजन का ट्रैवल ट्राइपॉड तो बेहद जरूरी है शार्प इमेज के लिए।

अपनी यात्रा पर अच्छा खासा समय और क्षमता लगा रहे हैं तो अनशार्प इमेज होना जरूरी है। रिमोट कॉर्ड व अतिरिक्त बैट्री जरूरी रख लें। रिफ्लेक्शन से बचने व अच्छे रंग फोटो देने के लिए सर्कुलर पोलराइजर आपकी मदद करेगा। हालांकि पोर्ट्रेट के लिए अतिरिक्त ध्यान दीजिएगा। जेपीजी के बजाए रॉ फाइल का प्रयोग करिए।

ट्रैवल शूट के लिए प्लानिंग करना एक बहुत अहम हिस्सा है। जहां आप जाने वाले हैं उस जगह की बहुत अच्छे से रिसर्च कर लें। वहां का मौसम, जाने का सबसे अच्छा समय आदि। आप देख कर चौंक जाएंगे कि हर बदलते मौसम में जगह भी कैसे बदल जाती है, तो इसलिए पहले ही प्लान करना अच्छा रहेगा।

ट्रैवल फोटोग्राफर में भोर से लेकर रात तक काम करने का जज्बा होना चाहिए। जितनी जल्दी हम लोकेशन पर पहुंचेंगे उतने ही कम लोग मौजूद होंगे और हमें कैप्चर करने के लिए बेहतर लैंडस्केप मिल पाएगा।

अगर आप थोड़ी भी देरी में पहुंचे तो आप कई लोगों को उन जगहों पर आराम से घूमते टहलते पाएंगे। लोकेशन पर खाना, संस्कृति और लैंडमार्क के नजरिए ये शूट करें ताकि आपकी स्टोरी पूरी हो सके। शूटिंग करते समय नोट बनाना न भूलें और डीटेल विस्तार में लिखते भी जाएं।

वापस आने पर आसान अंग्रेजी में कहानी लिखें और फोटोज़ के साथ ट्रैवल मैगजीन को भेजें। लागातार इसे अपनी आदत बना लेंगे तो क्या पता, आपको एक अच्छा जोरदार ब्रेक मिल जाए।

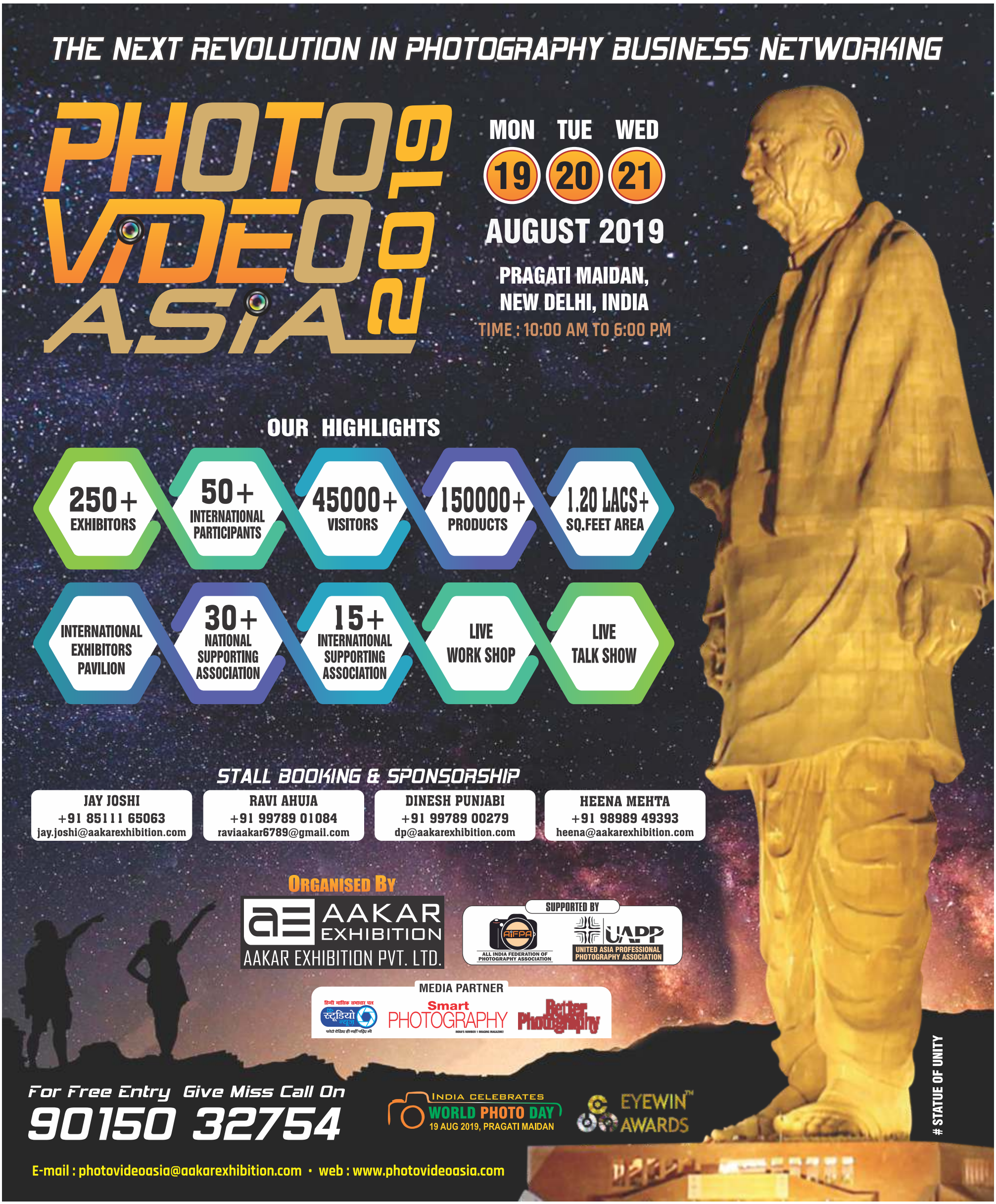
THE NEXT REVOLUTION IN PHOTOGRAPHY BUSINESS NETWORKING
PHOTO VIDEO ASIA 2019
MON TUE WED
19 20 21
AUGUST 2019
PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI, INDIA
TIME : 10:00 AM TO 6:00 PM
OUR HIGHLIGHTS
250+ EXHIBITORS
50+ INTERNATIONAL PARTICIPANTS
45000+ VISITORS
150000+ PRODUCTS
1.20 LACS+ SQ.FEET AREA
INTERNATIONAL EXHIBITORS PAVILION
30+ NATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION
15+ INTERNATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION
LIVE WORK SHOP
LIVE TALK SHOW
STALL BOOKING & SPONSORSHIP
JAY JOSHI +91 85111 65063 jay.joshi@aakarexhibition.com
RAVI AHUJA +91 99789 01084 raviaakar6789@gmail.com
DINESH PUNJABI +91 99789 00279 dp@aakarexhibition.com
HEENA MEHTA +91 98989 49393 heena@aakarexhibition.com
ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT. LTD.
SUPPORTED BY
AIFPA ALL INDIA FEDERATION OF PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
UAPP UNITED ASIA PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
MEDIA PARTNER
स्टूडियो न्यूज
Smart PHOTOGRAPHY
Better Photography
For Free Entry Give Miss Call On
90150 32754
INDIA CELEBRATES WORLD PHOTO DAY
19 AUG 2019, PRAGATI MAIDAN
EYEWIN AWARDS
STATUE OF UNITY
E-mail : photovideoasia@aakarexhibition.com • web : www.photovideoasia.com

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

इंसान की इंसान से पहचान कराने में फोटोग्राफी एक अहम जरिया है। - एडवर्ड स्टीकेन

महान विभूतियाँ

प्राणलाल के. पटेल ARPS, ASIIPC

(1 जनवरी 1910 - 18 जनवरी 2014)

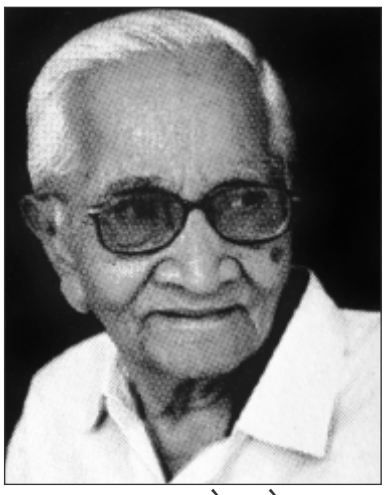

प्राणलाल के. पटेल

ये अंक युग पुरूष ... भारतीय फोटोग्राफी के सबसे पुराने पुरोधा प्राणलाल पटेल भाई को समर्पित है। गुजरात की एक ऐसी महान विभूति जो किसी भी परिचय की मोहताज नहीं। उनकी अद्भुत फोटोग्राफी में ही जीवन के प्रति उनका प्रेम साफ दिखाई देता है। यही कारण है कि वह पूरी जिंदादिली से सौ से भी अधिक साल जिए जो कि अपने आप में एक उपलब्धि है।

साल 2011 में दिल्ली में फोटोग्राफी के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान देने के कारण भारत सरकार ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा था। तब मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 102 साल में भी मैंने उनकी जिंदादिली, सतर्कता और जानकारी देखी। आज की पीढ़ी की बात करें तो चाहे वह फोटो खींचने की बात हो या कुछ दूर तक चलने की, युवा बहुत जल्दी जवाब दे जाते हैं। लेकिन प्राणलाल भाई के जज्बे को देख मैं अचंभित था। 100 साल से भी अधिक इस महान शख्स में उतनी ही उत्सुकता मैंने पाई जितनी किसी नन्हें बच्चे में होती है। उनकी चमकती आंखें और भोली मुस्कान से मैंने यह समझा, कि जीवन के प्रति उनका जुनून ही है जो उन्हें निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

अहमदाबाद के अपने घर में ही पिक्टोरियलिस्ट प्राणलाल के पटेल भाई ने अपनी देह त्यागी। तब उनकी उम्र 104 वर्ष थी। विरले ही थे लेंसमैन प्राणलाल पटेल।

उनका जन्म 1 जनवरी, 1910 में हुआ। फोटोग्राफी में उनका डंका न केवल गुजरात या भारत में बल्कि पूरे विश्व में बजता था। एक ऐसे पुरूष जिन्होंने अपनी अगली दो पीढ़ी को प्रेरणा व प्रोत्साहन भी दिया। पटेल ने अपने 70 साल के करियर में गांधी जी, नेहरू, सरदार पटेल की भी तस्वीरें उतारी। पटेल ने अपने इस शौक को प्रोफेशन में बदला और अपने समय के गुरूओं से फोटोग्राफी विधा की शिक्षा ली। महान आर्टिस्ट रवि शंकर रावल, बाचूभाई रावत, हरिनारायम आचार्य व महान पिक्टोरियलिस्ट एएल सईद जो कि पालनपुर के रहने वाले थे तथा फोटोग्राफर लेफ्टिनेंट कर्नल बलवंत भट्ट।

गुजरात में आउटडोर फोटोग्राफी के वह प्रथम अन्वेषक थे। युवा प्रोफेशनल के बीच में प्राणलाल पटेल काफी मशहूर थे। फोटोग्राफी के क्षेत्र में उन्होंने दशकों से अनुभव व ज्ञान एकत्र किया था उसे युवा छायाकारों के बीच में बांटने में उन्होंने कभी संकोच नहीं किया। उनकी फोटोग्राफी ब्लैक एंड व्हाइट प्रदान थी। उनके खींचे गये

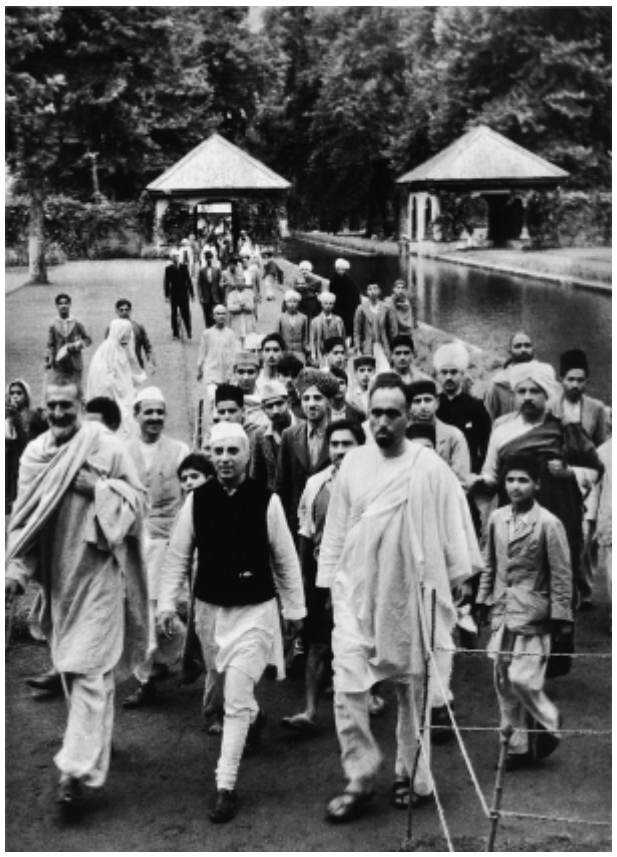

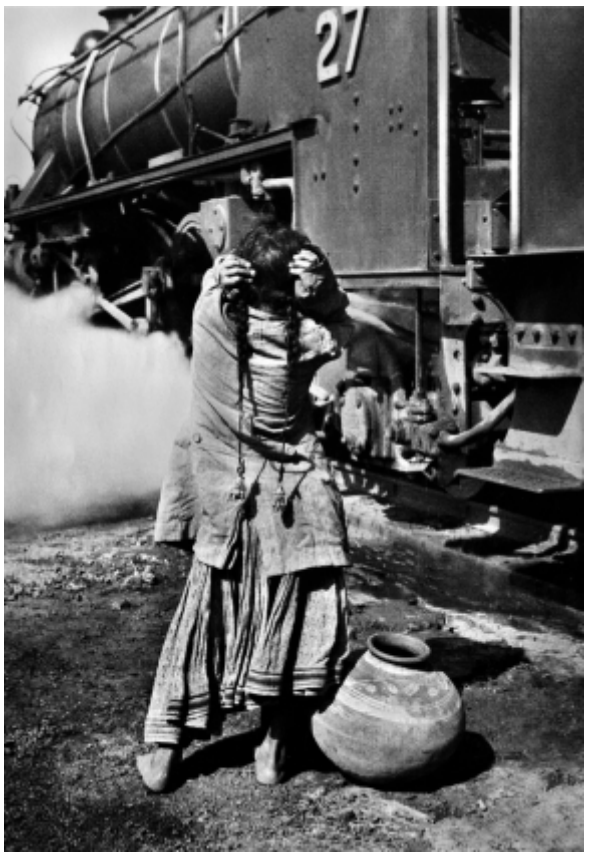

अधिकतम फोटोग्राफ ब्लैक एडं व्हाइट में ही हैं।

उनका मानना था कि असली फोटोग्राफी की कला गैजेट पर नहीं बल्कि आंखों और उंगलियों से उत्पन्न होती है। बॉक्स कैमरे से क्लिक करने की शुरूआत उन्होंने 1932 से की। उनकी रूचि बढ़ी और वह 1940 में कश्मीर आए। उन्होंने शालीमार गार्डन में जवाहरलाल नेहरू, अब्दुल गफ्फार खान और शेख अब्दुल्ला की तस्वीर खींची। उस वक्त क्लिक की गईं वो तस्वीरें आज भी इतिहास में दिखाई जाती हैं।

कहा जाता है कि भारत के वे ही एकमात्र उस वक्त के ऐसे फोटोग्राफर थे जो 70 साल इस क्षेत्र में एक्टिव रहे। वे फोटोग्राफ न केवल तकनीकी रूप से परिपक्व हैं बल्कि उनमें कंपोजिशन का एक सेंस भी है साथ ही लाइट व शेड का एक मैनेजमेंट है। वह तस्वीरें इतनी विचारोत्तेजक हैं कि ऐसा लगता है कि एक कहानी कह रही हों। सामाजिक कार्यक्रम, शाही शादियों से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की तस्वीरें प्राणलाल ने अपने कैमरे में उतारी। पटेल ने बेहद करीब से व ध्यानपूर्वक भारत की आजादी का संघर्ष व महा-गुजरात मूवमेंट देखा व समझा। उनके 50000 ब्लैक एंड व्हाइट संग्रह हमारी सामाजिक व राजनीतिक इतिहास के अभूतपूर्व अभिलेख हैं।

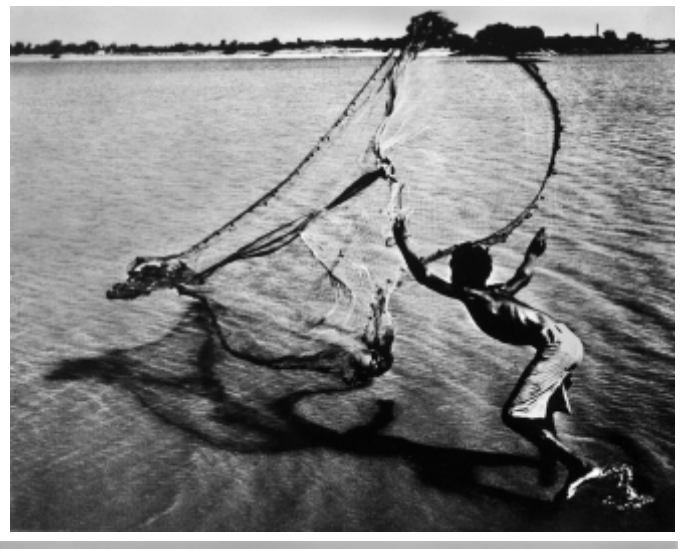

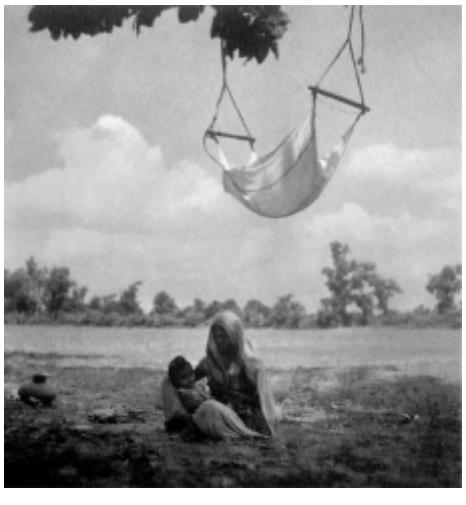

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP, ARPS, Hon. FIP, Hon. LCC, Hon. FSoF, Hon. FPAC, Hon. TPAS, Hon. FSAP, Hon. FICS, Hon. PESGSPC, Hon. FPSNJ
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

परफेक्ट प्रिंट के लिए मॉनिटर कैलीब्रेट करना

मुकेश श्रीवास्तव

FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक, पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017) एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

कैलीब्रेट करना क्यों जरूरी है

फोटोज़ में अच्छे रंगों के लिए यह बेहद जरूरी है कि मॉनिटर कैलीब्रेट हो। जब आप इमेज को पोस्ट प्रोसेस करते हैं तो वह ब्राइटनेस और रंग में अच्छी दिखती है, लेकिन जब आप प्रिंट के लिए कलर लैब जाते हैं तो आपको उतनी अच्छी न तो ब्राइटनेस मिल पाती है न ही रंग। नतीजतन कस्टमर की नाखुशी और आपका हतोत्साहन।

ऐसी ही स्थिति तब आती है जब आप किसी फोटो प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन इमेज जमा करते हैं। वजह साफ है। आपका मॉनिटर सफेद (RGB: 255,255,255) को सफेद और काले (RGB: 0,0,0) को काला देख ही नहीं पा रहा है।

उदाहरण के तौर पर पहली इमेज देखिए, यह कैलिब्रेशन के पहले की है। इसके बाद दूसरी इमेज देखिए जो कि कैलिब्रेशन के बाद की है। आपको फर्क खुद समझ आ जाएगा।

Fig-1 Before Calibration

Fig-2 After Calibration

कैसे करें कैलिब्रेट-

मॉनिटर को कैलिब्रेट करने के कई तरीके हैं: 1. बिल्ट इन विंडोज या मैक के टूल का प्रयोग कर। 2. ऑनलाइन टूल्स का प्रयोग कर के कैलिब्रेशन, 3. कोलोरिमीटर हार्डवेयर से कैलिब्रेशन, हर तरीके को विस्तारपूर्वक समझाया गया है-

इससे पहले आप किसी भी तरीके से कैलिब्रेशन शुरू करें, आपको निम्न चीजें करनी आवश्यक हैं।

- कैलिब्रेशन प्रक्रिया शुरू करने के कम से कम आधे घंटे पहले अपना मॉनिटर ऑन कर दें ताकि वह अपनी सामान्य ऑपरेटिंग टेम्परेचर पर पहुंच जाए।
- मॉनिटर का रिज्याल्यूशन डिफॉल्ट स्क्रीन रिज्याल्यूशन पर सेट कर दें।
- जिस भी रूम में आप कैलिब्रेट कर कर हों उसमें मध्यम रोशनी हो। कमरे में बहुत अंधेरा न हो, मौनिटर पर सीधे रोशनी नहीं पड़नी चाहिए वरना ग्लेयर व कलर कास्ट की वजह से कैलीब्रेसन सही नहीं हो पाएगा।
- मॉनिटर डिसप्ले कंट्रोल को समझें। विंडोस के कंट्रोल पैनल में डिसप्ले को क्लीक कर एक बार देख लें।

1. बिल्ट इन विंडो व मैक टूल्स के प्रयोग से कैलिब्रेशन

विंडो व मैक ओएस दोनों में ही बिल्ट इन कैलिब्रेशन टूल्स होते हैं। यदि आप मॉनिटर कैलिब्रेशन पहली बार कर रहे हैं तो यह प्रक्रिया सहायक हो सकती है। गामा, व्हाइटप्वाइंट जैसे शब्द थोड़े भारी लगेंगे लेकिन आपको मॉनिटर कैलिब्रेट करने में ध्यान देना है। शब्दजाल में मत पड़िये।

विंडो 10 डिस्प्ले कैलिब्रेशन टूल

विंडो 10 के आधुनिक वर्जन में रंग कैलिब्रेशन टूल कंट्रोल पैनल को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है, कि आप कंट्रोल पैनल खोलें और आपको यह स्क्रीन दिख जाएगी।

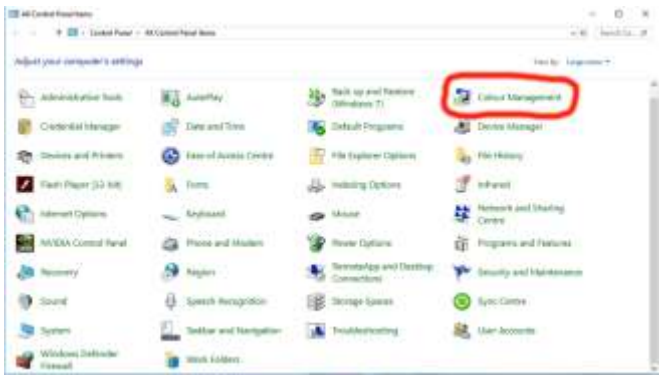

Fig-3 Control Panel

विंडो के पुराने वर्जन में, कलर कैलिब्रेशन यूटिलिटी आप कंट्रोल पैनल के डिस्प्ले सेक्शन में देख सकते हैं। यह अपियरेंस व पर्सनलाइजेशन में दर्ज है।

कलर मैनेजमेंट क्लिक करने पर आपको यह स्क्रीन दिखेगी-

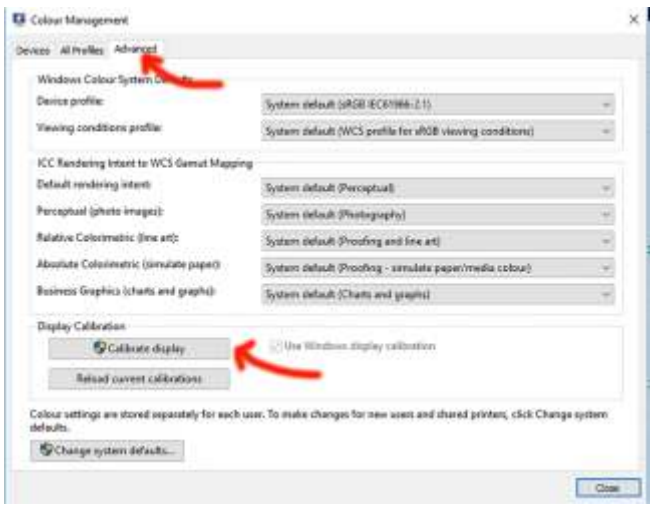

Fig-4 Calibration-1

इस स्क्रीन में **'एडवांस'** क्लिक करिए और उसके बाद **'कैलिब्रेट डिसप्ले'** पर क्लिक करिए। अब आपको वेलकम स्क्रीन दिखेगी। नेक्स्ट क्लिक करिए। अगली स्क्रीन पर भी **'नेक्स्ट'** क्लिक करिए। अब आप ऐसे गामा एडजस्ट करेंगे।

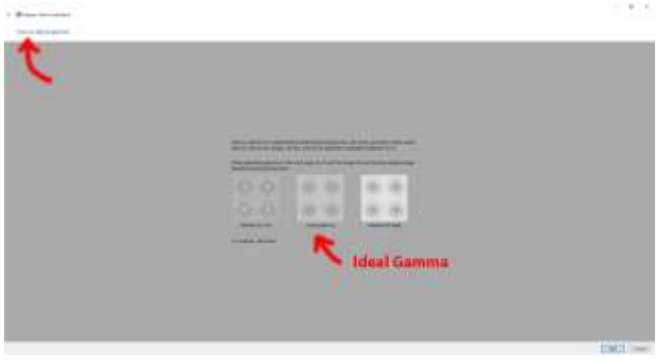

Fig-5 Adjusting Gamma

अपने अभी के मॉनिटर कैलिब्रेशन का स्क्रीन शॉट ले लीजिए, वह ऐसा दिखेगा-

Fig-1 Existing Calibrated screen

5वीं फोटो में नेक्स्ट क्लिक करने के बाद आपको ऐसी स्क्रीन दिखाई देगी

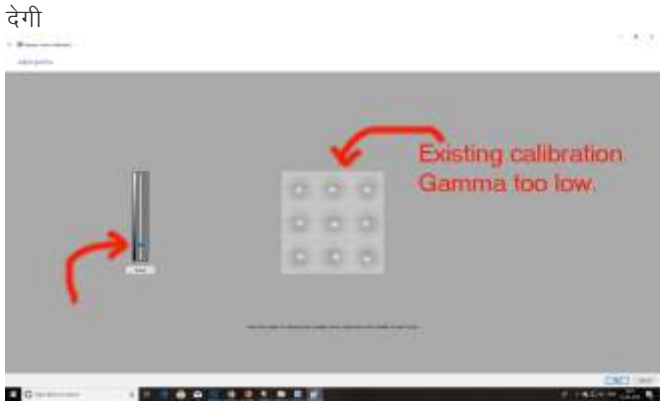

Fig-6 Gamma Too Low

बीच में सफेद बिंदु इस बात का संकेत हैं कि गामा बहुत कम है। यानि की कम ब्राइटनेस। आपको बाइं ओर स्थित स्लाइडर को एजडस्ट करना पड़ेगा ताकि न तो सफेद न ही काली बिंदियां बीच में दिखाई दें।

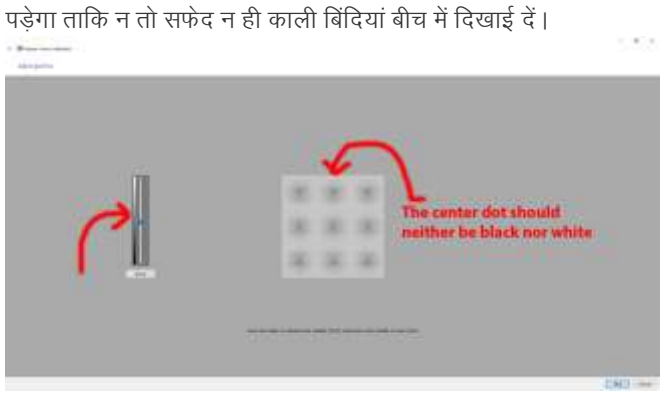

Fig-7

अब अगली स्क्रीन में 8, 9 और 10 में आपको मॉनिटर की ब्राइटनेस और कंट्रास्ट एडजस्ट करने के लिए कहा जाएगा।

Fig-8

Fig-9

Fig-10

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

फोटोग्राफी की समझ आपको खुद को समझने की सीमा तक सीमित है। -- अर्नेस्ट हास

यह फाइनल स्क्रीन शॉट है जहां आप पिछली और वर्तमान मॉनिटर को कैलिब्रेशन की तुलना आपस में कर सकते हैं। फिनिश यानी खत्म क्लिक करने से पहले, वर्तमान कैलिब्रेशन पर जरूर क्लिक कर लें।

आप टेक्स्ट को साफ करने के लिए बॉटम बॉक्स चेक कर सकते हैं या फिर अनचेक कर के फिनिश क्लिक कर दें।

Fig-11

Fig-2 After calibration

एक बार कैलिब्रेशन प्रक्रिया पूरी हो जाए तो आप वर्तमान कैलिब्रेशन को चूज़ करना न भूलें या फिर पुराने कैलिब्रेशन पर वापस चले जाएं यदि आप चाहें तो।

नया कैलिब्रेशन -ics फाइल या फिर कलर कैलिब्रेशन फाइल से स्टोर हो जाएगा। कलर मैनेजमेंट सेटिंग एप में न्यू कलर कन्सर्टइयम प्रोफाइल में दिखेगा।

सर्च बॉक्स में जाकर कलर मैनेजमेंट टाइप करिए और नतीजा आ जाएगा। यह इस एप को खोलने का आसान तरीका है। खुलने के बाद आप डिवाइस से अपने मॉनिटर को सेलेक्ट कर लें और देखिए कि कौन सी आइसीसी प्रोफाइल उपलब्ध है।

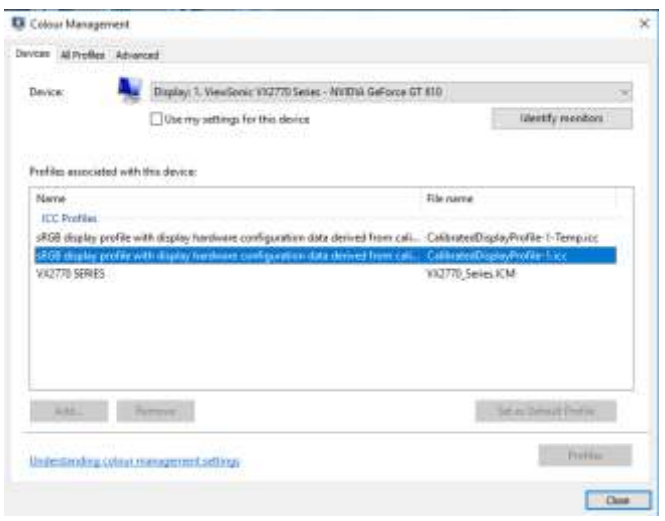

Fig-12 ICC Profile

मैक ओएस

1. सिस्टम प्रिफरेंसेज़ खोलिए और डिस्प्ले प्रिफरेंसेज़ पैनल में जाकर कलर टैब में जाइए।
2. ऑप्शन की को होल्ड करिए और कैलिब्रेट पर क्लिक करिए, इससे आपको डिस्प्ले कैलिब्रेटर में एक्सपर्ट मोड ऑप्शंस मिलेंगे।
3. मैक ओएस में स्क्रीन कलर कैलिब्रेशन प्रक्रिया करें।
4. कैलिब्रेशन प्रक्रिया में आपके सारे स्टेप्स पर दिशा निर्देश आ जाएंगे।

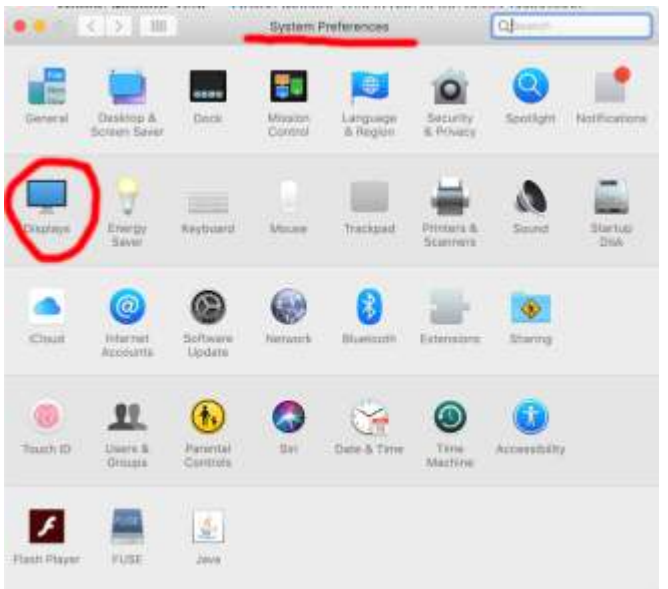

Fig-13 Mac1

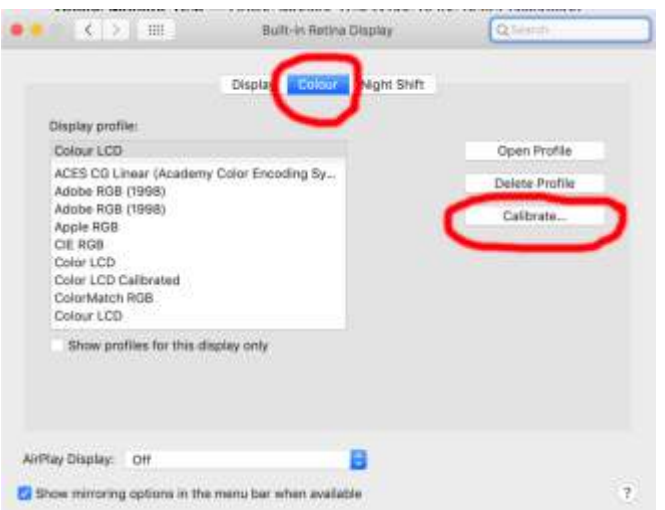

Fig-14 Mac2

Fig-15 Mac3

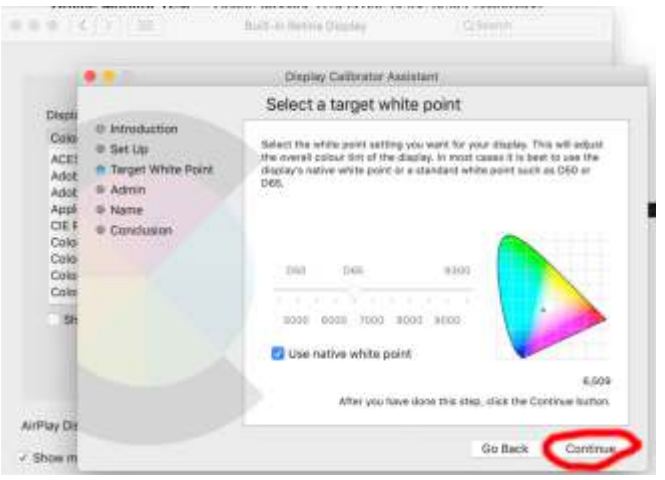

Fig-16 Mac4

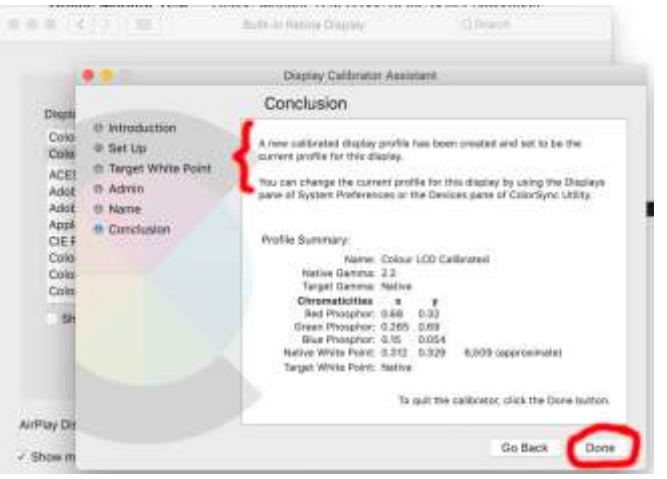

Fig-17 Mac5

ऑन स्क्रीन दिशा निर्देश का पालन करें और अपने डिस्प्ले की ब्राइटनेस, कंट्रास्ट, नेटिव गामा, टारगेट गामा और टारगेट वाइट प्वाइंट चुने। कंटीन्यू पर क्लिक करें और सारे एडजस्टमेंट करने के बाद कैलिब्रेशन प्रोफाइल सेव कर दें।

2. ऑनलाइनट टूल्स से कैलिब्रेट करना

बहुत सारे ऑनलाइट कैलिब्रेशन टूल्स है जो आपको मॉनिटर को मैनुअली सेट करने में मदद करते हैं। इन बिल्ट से ज्यादा ये ऑनलाइट टूल्स आसन रूप से मददगार हो सकते हैं।

फोटो फ्राइडे : फोटो फ्राइडे एक सिंपल वेब पेज है जो कि स्क्रीन की ब्राइटनेस और कंट्रास्ट कैलिब्रेट करने के लिए खास तौर पर बनाया गया है।

ऑनलाइन मॉनिटर टेस्ट : ऑनलाइन मॉनिटर टेस्ट बेहतरीन कैलिब्रेशन वेबसाइट्स में से एक है।

3. कोलोरिमीटर हार्डवेयर के माध्यम से कैलिब्रेट करना

हार्डवेयर कैलिब्रेशन का कोई विकल्प नहीं है। लेकिन यदि आप प्रिंट इंडस्ट्री में या फिर बतौर प्रोफेशनल फोटोग्राफर काम नहीं कर रहे हैं तो आपको बाकी लोगों के मुकाबले में मॉनिटर कैलिब्रेट करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता नहीं है। आपको केवल इसलिए कैलिब्रेट करना होगा कि कंट्रास्ट सही हो जाए और आप मॉनिटर बिना अपनी आंखों को जोर दिए देख सकें।

यह प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ है ताकि उन्हें परफेक्ट प्रिंट मिल सकें।

बिल्ट इन कैलिब्रेशन यूटिलिटी और वेब आधारित सॉफ्टवेयर तुरंत के लिए तो ठीक हैं, लेकिन यह निर्भर करता है कि उन्हें इस्तेमाल कौन कर रहा है। यह पूर्णतया आप पर निर्भर करता है कि आपको किस प्रकार का रंग चाहिए और कौन सा रंग आप किस तरह देखना चाहते हैं।

इस चीज को छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका है कि कैलिब्रेटिंग डिवाइस खरीद ली जाए और यह जरूरी भी है कि आपके मॉनिटर की जितनी क्षमता है उससे उतना इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आपको कुछ पैसा लगाना पड़ेगा अगर आप कुछ अच्छा चाहते हैं। इसके बावजूद कुछ अच्छे उपाय हैं जो बहुत महंगे नहीं हैं और आपकी जररूत को भी पूरा कर सकते हैं।

स्पाइडर 5

यदि आप एक कैलिब्रेशन टूल लेने की सोच रहे हैं तो हम सलाह देते हैं कि स्पाइडर 5 एक्सप्रेस इस्तेमाल कीजिए, इसका मूल्य (15000 रूपये) है, स्पाइडर 5प्रो (16000 रूपये) है। स्पाइडर इलाइट (18000 रूपये) है। इन तीनों डिवाइस में फुल-स्पेक्ट्रम है, सात कलर सेंसर हैं जो सटीक व विस्तार रूप से डिस्प्ले बताते हैं।

जितने महंगे उपकरण होंगे उतने ज्यादा फीचर्स भी होंगे। यदि आप एक खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको स्क्रीन से डिवाइस अटैच करनी होगी, यूएसबी पोर्ट से कनेक्ट करना होगा और उसमें पहले से शामिल कैलिब्रेशन सॉफ्टवेयर रन करना होगा।

एक्स-राइट का कलरमंकी सीरीज (रूपये 15000 से 19000 तक) भी एक अच्छा विकल्प है। स्पाइडर सीरीज के जैसा ही। सभी तीनों डिवाइज ऑटोमेटेड कैलिब्रेशन सॉफ्टवेयर के साथ आते हैं।

जरूरी जानकारी : कब आपको अपना मॉनिटर कैलिब्रेट करना चाहिए

अधिकतर कैलिब्रेशन सॉफ्टवेयर बताते हैं कि आपको अपना मॉनिटर हर दो से चार हफ्तों में करना चाहिए ताकि सब कुछ सही हो।

सीनकटर

ऊंची इमारत से लें एरियल शॉट

Photos : Trilochan S. Kalra

त्रिलोचन एस. कालरा

वरिष्ठ फोटो पत्रकार एवं एमिटी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर

"सीन-कटर" कॉलम में तस्वीरों के लिए तेज़ व धीमी रौशनी में प्रयोग के लिए "आईएसओ" को कब घटाया, बढ़ाया जाये व किन परिस्थितियों में किया जाये इसका जिक्र जारी है। पिछले अंक में 1600 आईएसओ के प्रयोग से कृत्रिम प्रकाश में फैशन शो की तस्वीरें शामिल थी, इस बार कम आईएसओ के प्रयोग में की गयी तस्वीरें है ... कम रौशनी में आईएसओ घटने-बढ़ने में लेंस का प्रयोग भी निर्णायक साबित होता है, क्योंकि लेंस का अपर्चर भी अपना प्रभाव दिखाता है। कभी ऐसे अवसर आ जाते हैं, जब सामने अच्छा दृश्य होता है, तो एसएलआर कैमरा हाँथ में नहीं होता, हालाँकि काम तो कॉम्पैक्ट कैमरा होने से भी चल जाता है। फिलहाल इस दिन हाँथ में था ... NIKON का P 900 24-2000 एमएम - 83 X OPT ZOOM प्रोजूमर, पॉइंट एंड शूट कैमरा .. . इसे आप सामान्य भाषा में सेमी एसएलआर कह सकते हैं, यह दिखता वैसा ही है, इसमें लेंस बदल नहीं सकते बल्कि एक ही लेंस में कई दूरियों पर दिखने वाले दृश्य बखूबी ले सकते हैं ... आसानी से समझें तो इस कैमरे के लेंस से एक फिट या उससे निकट की विषयवस्तु से लेकर धरती से लाखों मील दूर चाँद का क्लोज़अप तक क्लिक कर सकते हैं। P 900 24-2000 -एमएम का लेंस बहुत मजबूत, बड़ा और लो लाइट में 24 एमएम की फोकल लेंथ पर 2.8 का अपर्चर देता है, इसमें एक्सपोज़र कण्ट्रोल की अन्य सारी सुविधाएँ एसएलआर जैसी ही होती हैं। इस कैमरे में ज्यादा शक्तिशाली 83 X ऑप्टिकल जूम है। इस कैमरे से ली गयी तस्वीरें 100 आईएसओ पर लखनऊ में उतारी गयी हैं। इस कॉलम की तस्वीरों में झलक मौसम की है ... लिहाजा जिक्र भी मौसम से आरम्भ करते हैं।

मौसम का हर रंग कैमरे को लुभाता है। पूरे विश्व में ईश्वर ने देश-देशांतर में जितनी भी अपार-अनंत व विस्मयकारी भौगोलिक संरचनाएँ रची हैं, वे अत्यंत आकर्षक तथा विविधताओं से भरी हैं। ऐसे स्थानों की तस्वीरें सम्मोहित करती हैं। कुदरत ने अपने सौंदर्य को पृथ्वी के अलग-अलग कैनवस पर बड़े करीने से बिखेर रखा है। उसके रचे धरती के इन अनूठे भूदृश्यों में कहीं बर्फ से ढकी पर्वतों की चोटियां हैं, तो कहीं लगातार बारिश है, कहीं कल-कल करती नदियों का नाद है, तो कहीं राजस्थान की तपती सुनहरी रेत के टीले के पीछे डूबते सूरज की रोशनी में नयनाभिराम दृश्य दिखते हैं। भारत में ऐसी जितनी भी दिलक़श जगह हैं, उनका मंजर तस्वीरों में तो सबने देखा ही होगा ... लेकिन अपने उत्तर प्रदेश का जैसा मौसम है, उसमे गर्मी जितनी शिद्दत से पड़ती है, तो बारिश भी उतना ही कहर ढाती है, ठण्ड पड़ती है तो गज़ब की। गर्मियों के मौसम में तो हम मैदानी बाशिंदे ठंढक का मज़ा लेने पहाड़ों का रूख करते हैं, वजह है वहाँ धुंध और कोहरे भरी ठंडी, सुबह का मज़ा ... लखनऊ में तो ऐसे मौसम की कल्पना भी नहीं कर सकते जैसा पहाड़ों में होता है। लेकिन इस बार की ठंढ में दिसंबर के महीने में लखनऊ में जो दिखा वो ऐसा था कि उसकी तुलना दुनिया की किस खूबसूरत जगह से करें ये अब तक समझ नहीं आया। ऐसा हम नहीं तस्वीर कहती हैं। ठंड में वैसे तो सुबह जल्दी उठने का मन नहीं होता, लेकिन जब कभी ऐसा होता है तो लगता है, जैसे कुदरत आपको खुद ही जगा कर मानो कुछ दिखाना चाहती हो। 22 दिसंबर सुबह की ठंड में एक तरफ जनेश्वर पार्क से शहीद पथ आने वाली सड़क के इस पार का इलाका था और सड़क के उस पार गोमती नदी से सटा नए लखनऊ का इलाका ... आलस में पहले ये दृश्य बालकनी से तब देखा जब सुबह चिड़ियों को दाना डाल रहा था। हालाँकि ऐसा दृश्य यहाँ रहने वालों को अक्सर नज़र आता होगा लेकिन सुबह जल्दी उठ जाने की वजह से हमें पहली बार यह दृश्य दिखा ... पहले दृश्य को देखिये ये मौसम से जुड़ा हुआ है और मौसम है ठंड का, ठंड के मौसम को व्यक्त करने के लिए धुंध और कोहरे से बेहतर कुछ और नहीं होता, खास कर जब हमें बहुत बड़े भू-भाग का एरियल शॉट करना हो ... बालकनी से देखे गए इस दृश्य का कुछ भाग दीवारों की आड़ में था जो नज़र नहीं आ रहा था, इसके लिए हमें सही स्थान से सही एंगल का चुनाव तेज़ी से करना था ... क्योंकि सूरज थोड़ी देर बाद अगर बादलों से बाहर आ जाता तो इस दृश्य में कुछ खास नहीं रहता। फोटोग्राफी में इसे "वर्किंग ऑन दी सब्जेक्ट" कहा जाता है, यानी किसी भी सब्जेक्ट को शूट करने से पहले उसकी दिशा, दशा के बारे में जानना, कि किस एंगल से, किस

लाइट में, किस वक़्त, किस फोकल लेंथ और एक्सपोज़र पर शूट करना चाहिए, ऐसा फीचर फिल्म शूट में भी होता है, वहाँ प्रोडक्शन की एक बड़ी टीम होती है लेकिन इस समय तो सारा काम हमें खुद से ही करना था। अपना एसएलआर कैमरा चेक किया तो उसकी बैटरी डाउन थी, फिर हाँथ में आया NIKON का P 900 24-2000 एमएम - 83 X OPT ZOOM प्रोजूमर, पॉइंट एंड शूट कैमरा इसकी बैटरी फिट थी ... जल्दी से मेमोरी कार्ड चेक किया और अब कैमरा तैयार था और चाहिए थी अच्छी लोकेशन, इसकी तलाश जल्दी ही करनी थी, क्योंकि सुबह 6 बजे यह दृश्य देखा था, लिफ्ट से नीचे आकर दूसरे ब्लॉक्स में जाकर सबसे टॉप फ्लोर से शूट करना था, ठण्ड से सिकुड़ा हुआ बेचारा गार्ड चाभियों का गुच्छा लेकर साथ चला, ग्यारहवीं फ्लोर के टॉप पर खुली छत से जो सबसे पहला दृश्य बना इसमें फोकल लेंथ 17 एम्एम् है। एक ये भी लखनऊ था, जिसे हम देख रहे थे, ठंड की सिहरन पैदा कर देने वाले इस दृश्य का वर्णन हम क्या करें, यह बताने के लिए दृश्य ही काफी है ... फिर भी नीचे जो सड़क दिख रही है वह शहीद पथ से जनेश्वर पार्क जाती है ... सड़क के सामने नीचे जहाँ कोहरे के बादल दिख रहे हैं वहां नीचे गोमती नदी है। पानी से उठती भाप ने कोहरे के साथ मिल कर पूरे दृश्य में माहौल रचनात्मक बना दिया। कम्पोजीशन में सड़क का वह स्थान लिया गया है ... जहाँ सड़क हलकी सी मुड़ती है, बिजली के खंभों का संयोजन इस ढंग से किया गया कि वह तस्वीर का जरूरी हिस्सा लगे और कुछ कंट्रास्ट भी रहे। इस दौरान व्यू फाइंडर से जब दृश्य देख रहा था तभी एक चिड़िया या कबूतर लेंस के सामने से गुजरा और शटर बटन पर उँगलियों ने हरकत कर दी तो स्क्रीन पर उभरी ये तस्वीर। अब जरा दूसरी बातों पे गौर करें, नीचे सड़क पर दो लोग मॉर्निंग वॉक कर वापस लौट रहे हैं। ये भी तस्वीर के कम्पोजीशन का हिस्सा बने, अब जरा कोहरे पे गौर करें, नदी के तट पर भाप और कोहरा मिल कर धुवें की शक्ल में सड़क को पार कर रहा है। मानो नदी के तट पर और कोहरा रखने की जगह ही न बची हो तो उसे इस पार उंडेला जा रहा हो। पीछे का आसमान जो सफ़ेद सा दिख रहा है यह शहीद पथ है। नदी के तट पर बीच में कोहरे के ऊपर जो पेड़ों की फुनगियाँ दिख रही हैं उनसे पता चलता है की भाप और कोहरा कितनी ऊपर तक उठा हुआ है। तो कुल मिलकर ये बनी हमारी पहली तस्वीर जो 100 आईएसओ पर, शटर गति 1/100, अपर्चर f 4 के साथ 17 एमएम की फोकल लेंथ पर उतारी गयी है। अब दूसरी तस्वीर पर आते हैं इसे भी 100 आईएसओ पर, शटर गति 1/160, अपर्चर f 3.2 के साथ 24 एमएम की फोकल लेंथ पर लिया गया है। इसमें अलग सब्जेक्ट, अलग एंगल है इसमें सड़क के उस पार एक दूसरी ही दुनिया है। इस दृश्य को भी ऊंचाई से लिया गया है। कोहरे और भाप के ऊँचे बादलों ने पेड़ो की ऊंचाइयों को ऐसे ढक कर सब कुछ अपने आगोश में ले लिया है, नदी की तलहटी से लेकर पीछे तक का सारा दृश्य विस्मयकारी कर दिया है। ठीक पीछे एक बहुमंजिला इमारत हलके ग्रे कलर में इस दृश्य की भव्यता और बढ़ा रही है। इन दृश्यों को सही जगह से शूट करने की कवायद सुबह 6 बजे से हुई और सही जगह से पहली तस्वीर मिली सुबह 7 बज कर 12 मिनट पर और दूसरी तस्वीर सुबह 7 बज कर 20 मिनट पर, यानि इतना वक़्त सही लोकेशन और एंगल ढूंढने में गया। इसमें एक बहुमंज़िला इमारत के कई ब्लॉक्स की छत पर चढ़ने-उतरने में वक़्त गया। तब बनी ये दो तस्वीरें जिनके द्वारा ये बताने की कोशिश है कि यदि ऐसा दृश्य दिख जाए और आपके पास आज के दौर का ड्रोन कैमरा न हो तो भी आप किसी बहुमंज़िली ईमारत से ऐसे बर्ड आई व्यू ले सकते हैं। जैसा लखनऊ की इस लोकेशन पर दिखा जो किसी पहाड़ीवादी से कम खूबसूरत नहीं है। सीन-कटर कॉलम में फिलहाल इतना ही शेष अगले अंक में .....

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

फोटोग्राफी सिर्फ वर्तमान को ही दर्शा सकती है। फोटो खींचते ही वर्तमान का वह पल भूतकाल में परिवर्तित हो जाता है। - बेरेनिस अब्बोट

कर भला तो हो भला

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

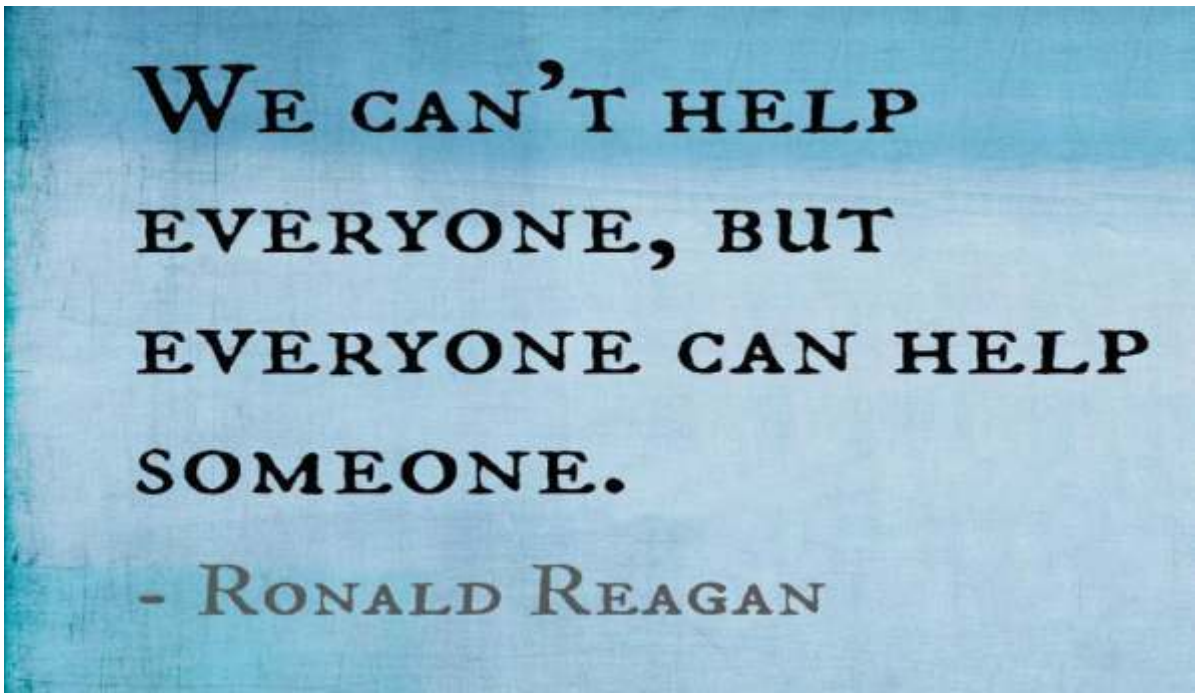

मदद की जरूरत हर इंसान को पड़ती है, चाहे कोई बूढा हो, बच्चा हो या जवान, सभी के जीवनकाल में ऐसा समय अवश्य आता है जब उसको दूसरों की मदद की जरूरत पड़ती है।

'कर भला तो हो भला' एक बहुत पुरानी कहावत है जिसे हम अपने बड़े बुजुर्गों से सुनते आये हैं। कहा जाता है दूसरों की मदद करना या भलाई करना ही सबसे बड़ा पुण्य है। और हमेशा कहा जाता है कि आप अगर किसी का भला करते हैं तो आप अनजाने में अपनी ही मदद कर रहे हैं। हम सब दूसरों से मदद की उम्मीद रखते हैं परन्तु हमेशा यही कहते हैं की आजकल कोई किसी की भलाई नहीं करता। पर कभी आपने सोचा है की हम दूसरों की कितनी मदद करते हैं? अगर नहीं है तो दूसरों से मदद की उम्मीद क्यों रखते हैं?

जैसे मैंने पहले कहा कि किसी की मदद कर के हम शायद भविष्य में अपनी मदद कर रहे होते हैं। आइये एक कहानी से इस बात को समझने की कोशिश करते हैं। एक लड़का था जो बहुत गरीब लेकिन मेहनती और सुहृदय था। दिन भर कड़ी मेहनत के बाद जंगल से लकड़ियाँ काट के लाता और उन्हें बाजार में बेचा करता। ऐसे ही एक दिन वो सर पे लकड़ियों का गट्ठर लिए जंगल से गुजर रहा था। तभी उसने रास्ते में एक वृद्ध व्यक्ति को देखा जो बहुत दुर्बल दिख रहा था। उसको देखकर ऐसा लग रहा था की जैसे उसने कई दिनों खाना नहीं खाया है। लड़के का दिल द्रवित हो उठा, वो उसकी मदद करना चाहता था लेकिन वो क्या करता उसके पास खुद खाने को नहीं था। वो उस बूढ़े व्यक्ति का पेट कैसे भरता? दुःखी मन से ऐसा सोचते हुए लड़का आगे की और बढ़ता गया। थोड़ी ही दूर चलने के बाद उसको एक औरत दिखाई दी जिसका बच्चा प्यास से व्याकुल हो कर रो रहा था क्यूंकि जंगल में कहीं पानी नहीं था। बच्चे की हालत देखकर लड़के से रहा नहीं गया लेकिन क्या करता बेचारा उसके खुद के पास पीने का पानी नहीं था। दुःखी मन से वो फिर आगे चल दिया। कुछ दूर आगे एक गाँव था वहां लड़के को एक व्यक्ति दिखाई दिया जो खाना बनाने के लिए लकड़ियों की तलाश में था। किशोर ने उसे अपनी लकड़ियाँ बेच दीं और इसके बदले में उसने किशोर को कुछ खाना और पीने का पानी दिया। किशोर के मन में उस वृद्ध और बच्चे का ख्याल आया और वो खाना-पानी लेकर वापस जंगल की ओर दौड़ा। वहां जाकर उस वृद्ध व्यक्ति को खाना खिलाया और उस औरत के बच्चे को भी पानी पिलाया और अपनी राह को चला गया।

इसके घटना के कुछ ही दिन बाद वही लड़का एक दिन एक पहाड़ी के पेड़ पर चढ़कर लकड़ियाँ काट रहा था अचानक उसका पैर फिसला और वो धड़ाम से नीचे आ गिरा। उसके हाँथ पैर में बुरी तरह चोट लग गयी और वो दर्द से चिल्लाते हुए मदद की पुकार करने लगा। तभी उसकी आवाज़ सुनकर वही वृद्ध व्यक्ति आया और उसने लड़के को सहारा देकर उठाया और तुरंत कुछ जड़ी बूटियों का लेप तैयार करा। थोड़ी ही देर में उसकी दर्द भरी आवाज़ सुनकर वही औरत भी वहां आ गयी और उसने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़ कर उसके घाव पर लेप लगाकर पट्टी कर दी। थोड़ी ही देर में लड़का अच्छा महसूस कर रहा था।

दोस्तों! दूसरों की मदद करके भी हम असल में खुद की ही मदद कर रहे होते हैं। जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करेंगे तब जरूरत पढ़ने पर ईश्वर किसी न किसी को हमारी मदद के लिए भेजेगा। आज आप सब इसको पढ़ते हुए अपने आप से एक वादा कीजिये कि रोज किसी की मदद जरूर करेंगे, अगर रोज नहीं भी कर सकते तो जब भी आपके सामने कोई ज़रूरतमंद आये तो उसकी मदद अवश्य करें।

ये भी बताना यहाँ आवश्यक है कि जरूरी नहीं कि मदद पैसे से ही की जाये, आप किसी वृद्ध या असहाय व्यक्ति को सड़क पार करा सकते हैं, या किसी प्यासे को पानी पिला सकते हैं, भूखे को खाना खिला सकते हैं, या किसी हताश परेशान इंसान को समय दे सकते हैं, किसी गरीब अस्वस्थ व्यक्ति के इलाज/दवा कि व्यवस्था कर सकते हैं। विश्वास रखिये कि ऐसा भला करते हुए आपको भीतर से बहुत खुशी मिलेगी और आपकी ज़रूरत पर लोग भी आपकी मदद जरूर करेंगे।

किसी कि मदद कर के जो खुशी मिलती है वो इस अगली कहानी से आप समझ सकते हैं। एक सेठ और उसका बेटा एक बार मंदिर दर्शन को गए। मंदिर के बाहर एक गरीब लाचार व्यक्ति भूख से बेहाल बैठा था। कोई उसकी मदद नहीं कर रहा था। तभी शायद उसे ख़याल आया कि भगवान् से मंदिर के भीतर जा कर कुछ मांगे। ऐसा विचार आते ही वो अपना झोला बाहर रखकर भगवन कि प्रार्थना के लिए अंदर चला गया। सेठ के लड़के ने सेठ से कहा, "इसका झोला कहीं छुपा दूँ तो बहुत मज़ा आएगा"। सेठ ने बेटे को समझाया कि कभी किसी को परेशानी या दुःख मत दो। यदि दे सकते हो तो उसे खुशी दो, मुस्कुराने कि वजह दो। सेठ ने लड़के को कुछ रूपये दिए और बोला कि जाकर चुपके से उस गरीब व्यक्ति के झोले के पास रख दे। रूपये रखने के बाद दोनों उसके मंदिर से बाहर आने का इंतज़ार करने लगे। जैसे ही वो व्यक्ति बाहर आया और झोला उठाया उसे पास रखे पैसे दिखाई दिए। वो बहुत खुश हो गया और भगवान् को मदद के लिए धन्यवाद देने लगा। फिर पास कि दुकान में जा कर पेट भर के खाना खाया। सेठ का बेटा ये सब देख रहा था। उसने उसी दिन प्राण लिया कि कभी किसी को दुःख नहीं देगा और हमेशा ज़रूरतमंद कि मदद करने का प्रयास करेगा।

दोस्तों अंत में हमे नहीं भूलना चाहिए कि हमारे बड़े बुजुर्ग ये भी कह गए हैं कि 'जो बोयेगा वही पायेगा, तेरा किया आगे आएगा'। इसका मतलब साफ़ है कि आप कुछ किसी के लिए अच्छा करेंगे तो आपको भी जीवन में अच्छा अच्छा मिलेगा और यदि किसी का बुरा करेंगे तो आपको उसका फल अवश्य मिलेगा।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 अप्रैल 2019

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

हर तिमाही जीतिए

32GB पेन ड्राइव

16GB पेन ड्राइव

कैमरे की नजर से कुंभ

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP

संदीप रस्तोगी, वरिष्ठ फोटो पत्रकार

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

चित्र इमारत की ही तरह बनाया जाता है-आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत और तब जाकर वह टिकता है। - हेनरी

त्रिलोचन एस. कालरा, वरिष्ठ फोटो पत्रकार

आशीष पाण्डेय, फ्रीलांस फोटोजर्नलिस्ट

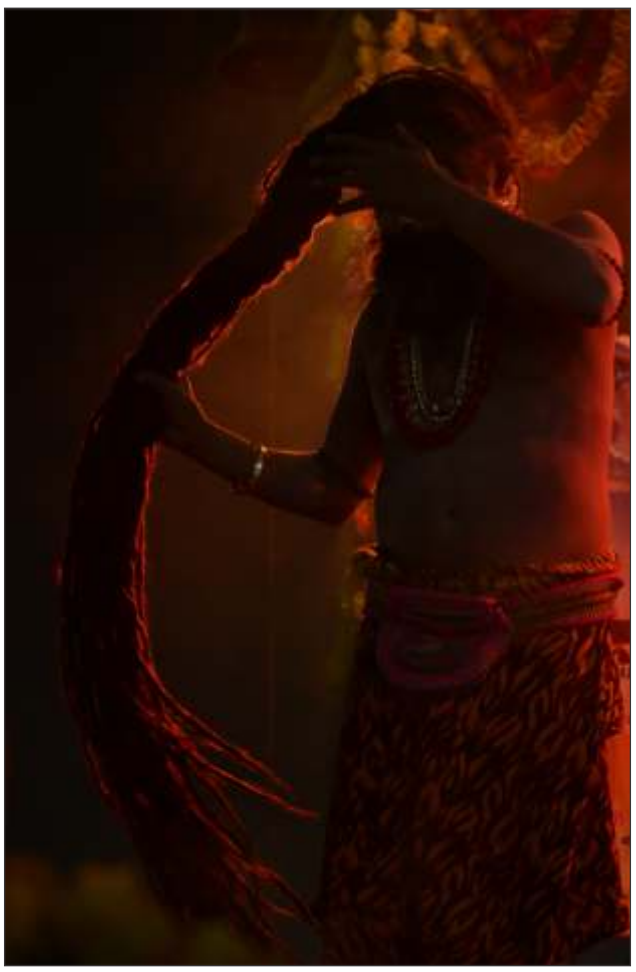

साहिल सिद्दीकी, वरिष्ठ छायाकार

मो. मुकीद, फोटोजर्नलिस्ट

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मार्च 2019 से 5 अप्रैल 2019

मेरी तस्वीरों को देखकर आप यह पाएंगे कि मुझे तस्वीरों में मौजूद उन लोगों और उन क्षणों से प्रेम हो गया था। - एनी लीबोविट्ज़

वी सुनील, फोटोजर्नलिस्ट

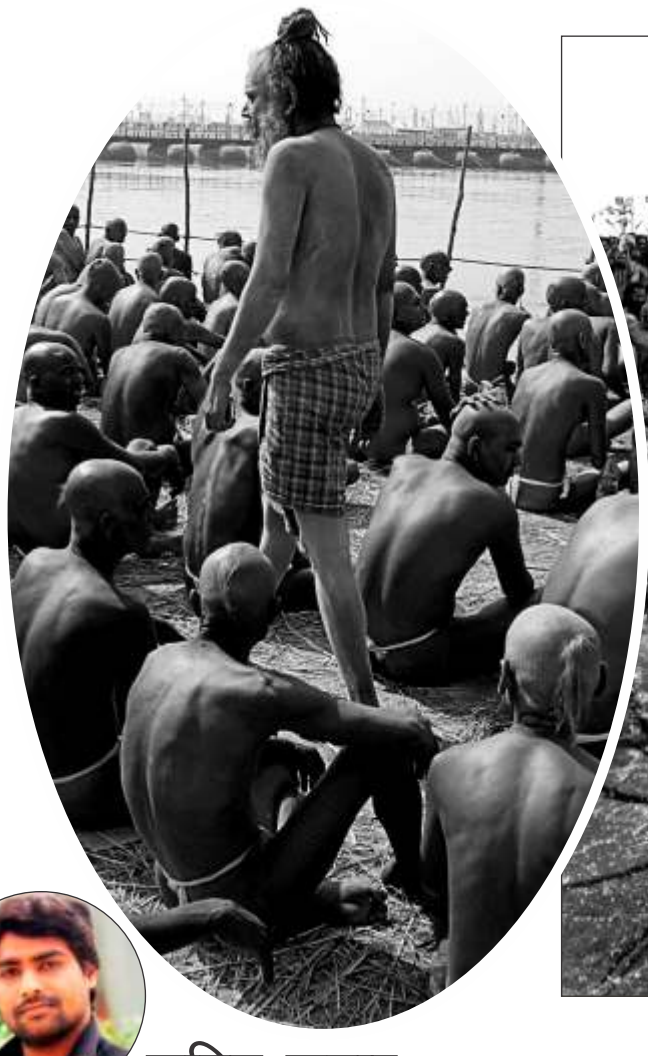

सुमित कुमार, फोटोजर्नलिस्ट

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in